

कगि पेंगुइन की सबसे बड़ी बस्ती में 90% की कमी

चर्चा में क्यों?

हाल ही में किये गए शोध से पता चलता है कि कगि पेंगुइन की धरती की सबसे बड़ी आवासीय बस्ती में पछिल्ले तीन दशकों में 90 प्रतिशत तक की कमी आई है।

प्रमुख बद्दि

- आखिरी बार जब वैज्ञानिकों ने फ्रांस के दूरवर्ती क्षेत्र आइल ऑक्स कोचनुस, जो कि अफ्रीका के दक्षिणतम बद्दि और अंटार्कटिका के लगभग बीच में स्थिति है, पर कदम रखा तो देखा कि यह द्वीप एक मीटर लंबे न उड़ सकने वाले बीस लाख कगि पेंगुइन पक्षियों से भरा था।
- लेकिन अंटार्कटिका साइंस में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार, हाल ही में उपग्रह द्वारा प्राप्त तस्वीरों से पता चलता है कि इस द्वीप पर कगि पेंगुइन की जनसंख्या में तीव्र गिरावट आई है और अभी वर्तमान में लगभग 2 लाख पेंगुइन ही शेष हैं।
- यद्यपि वियस्क पेंगुइन भोजन हेतु एक अवधि में कुछ दानों के लिये समुद्र में जाते होंगे, कति यह प्रजाति उत्प्रवास नहीं करती है।
- इस आवासीय बस्ती ने दुनिया के लगभग एक-तहई कगि पेंगुइन की आबादी का प्रतिनिधित्व किया है। कगि पेंगुइन की सबसे बड़ी बस्ती में आई गिरावट की वजह अभी रहस्य बनी हुई है।
- इसमें जलवायु परिवर्तन की भी एक भूमिका हो सकती है। 1997 में विशेष रूप से मजबूत एल निनो मौसमी परिघटना ने दक्षिणी हिंद महासागर को गर्म कर दिया तथा अस्थायी रूप से मछली और स्कवडि, जसि पर कगि पेंगुइन निर्भर करते हैं, को कगि पेंगुइन के भोजन ग्रहण क्षेत्र से परे दक्षिण में पहुँचा दिया। इस कारण जनसंख्या में कमी और नमिन प्रजनन दर देखी गई।
- उत्प्रवास एक विकल्प नहीं है क्योंकि कगि पेंगुइन के भोजन ग्रहण क्षेत्र के अंतर्गत कोई अन्य उपयुक्त द्वीप नहीं है। अत्यधिक जनसंख्या सहति अन्य कारक आइल ऑक्स कोचनुस बस्ती में पेंगुइन की संख्या में आई कमी के संभावित कारण हो सकते हैं।
- आईयूसीएन की संकटग्रस्त प्रजातियों की संरक्षण स्थितिकी रेड लिस्ट में कगि पेंगुइन को अभी तक "संकटमुक्त" (Least Concerned) श्रेणी में रखा गया है, लेकिन नया डेटा पुनर्मूल्यांकन को प्रेरति कर सकता है।
- कगि पेंगुइन एम्परर पेंगुइन के बाद दूसरी सबसे बड़ी पेंगुइन प्रजाति है।